SHRI P. CHIDAMBARAM: I am answering the hon. Member's question. I say that total lending to minorities, which was 23,539 crore has increased to 38,402 crore I started by saying there is visible improvement. It is not satisfactory. I said so. I said we are impressing upon banks to lend more to minorities. After the 15 Point Programme,RBI has amended the master circular, issued an instruction that whtin the weaker sections, the share of lending to minorities must be sharply increased. This is all that has happened this year. (*Interruptions*)

SHRIMATI BRINDA KARAT: What is earmarked?

MR. CHAIRMAN: Let him reply. (*Interruptions*) Nothing will go on record. Please take your seat. (*Interruptions*) You cannot stand up without my permission.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I answered by saying we are not earmarking any percentage. All that we say is, at the end of March 2007, we would have to look at the figures to see whether as a result of the Prime Minister's 15 Point Programme and the revised instructions issued the share of lending to minorities has increased; it can only be ascertained at the end of March 2007. We are in the middle of the year. We have got figures up to March 2006 and we will measure the improvement at the end of Marchc 2007.

MR. CHAIRMAN: Next question. Q.No. 386.

ऑटो इंडस्ट्री का वार्षिक उत्पादन

386. श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा†:
श्री राम जेठमलानी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में ऑटो इंडस्ट्री का वार्षिक उत्पादन गत वर्षों के दौरान निरंतर बढ़ता रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 2000-01 से वर्ष 2005-06 तक इस उत्पादन वृद्धि की औसत वार्षिक कितनी रही है; और

(ग) इस अवधि के दौरान इस उत्पादन में से ऑटो इंडस्ट्री द्वारा किए गए निर्यात का औसत वार्षिक प्रतिशत कितना है?

---

†सभा में यह प्रश्न श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा द्वारा पूछा गया।

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) से (ग) एक विवरण-पत्र सदन-पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी, हां। देश में ऑटो उद्योग का वार्षिक उत्पादन निरंतर बढ़ता जा रहा है।

(ख) वर्ष 2000-01 से वर्ष 2005-06 तक ऑटोमोटिव उद्योग के उत्पादन की औसत वार्षिक वृद्धि दर 16.91 प्रतिशत है।

(ग) वर्ष 2000-2001 से 2005-06 की अवधि के दौरान ऑटोमोटिव उद्योग के कारोबार के निर्यात की प्रतिशतता में वृद्धि रही है। ऑटोमोटिव उद्योग के कारोबार के निर्यात की प्रतिशतता में वृद्धि वर्ष 2000-2001 में 6.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2005-06 में 11.77 प्रतिशत हो गई है। नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दर्शाए गए हैं।

ऑटो उद्योग उत्पादन

(रुपये लाख में)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	सीएजीआर(%)
ऑटोमोबाइल (घरेलू बिक्री)	5767436	6105611	6975615	8719342	10333579	11379651	14.56
ऑटोमोबाइल (निर्यात)	210562	259934	371615	647637	880933	1026050	37.26
ऑटोमोबाइल (कुल)	5977998	6375545	7347230	9366979	11214512	12405701	15.72
ऑटोकंपोनेंट (कुल)	1785700	2160200	2553500	3064000	3850000	4550000	20.57
कुल (उत्पादन)	7763698	8535745	9900730	12430979	15064512	16955701	16.04
			ऑटो उद्योग का निर्यात				
ऑटोमोबाइल	210562	269934	371615	647637	880933	1026050	37.26
ऑटोकंपोनेंट	270600	280100	380000	462000	624000	970000	29.09
कुल निर्यात	481162	550034	751615	1109637	1504933	1996050	32.92
उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में निर्यात	6.20	6.44	7.59	8.93	9.99	11.77	—

स्रोत: सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफेक्चरर्स (एसआईएएम) और ऑटोमाटिव कम्पोनेंट मैन्यूफैक्चरर्स एसोसियशन ऑफ इंडिया (एसीएमए)।

Annual production of auto industry

†*386. SHRI RAJ MOHINDER SINGH MAJITHA:††
SHRI RAM JETHMALANI:

Will the the Minister of HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the annual production of the auto industry in the country has been constantly increasing over the years;

(b) if so, the average annual rate of increase from the year 2000-2001 to 2005-2006; and

(c) the extent of average annual percentage of exports achieved by the auto industry througout of this production during this period?

THE MINISTER OF HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes Sir. The annual production of the auto industry in the country has been constantly increasing.

(b) The average annual rate of increase of production of the automotive industry from the year 2000-2001 to 2005-2006 is 16.91per cent.

(c) There has been a growth in the percentage of exports to turnover of the automotive industry during the period from 2000-2001 to 2005-2006. The percentage of exports to the turnover of the automotive industry has increased from 6.20 per cent in 2000-2001 to 11.7 per cent in 2005-2006. The details are indicated in the Table below:

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Raj Mohinder Singh Majitha.

Production of auto industry

(Rs. in lakhs)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	CAGR(%)
Automobiles (domestic sale)	5767436	6105611	6975615	8719342	10333579	11379651	14.56
Automobile (exports)	210562	269934	371615	647637	880933	1026050	37.26
Automobile (total)	5977998	6375545	7347230	9366979	11214512	12405701	15.72
Auto components (total)	1785700	2160200	2553500	3064000	3850000	4550000	20.57
Total (production)	7763698	8535745	9900730	12430979	15064512	16955701	16.91
Export of Auto Industry							
Automobiles	210562	269934	371615	647637	880933	1026050	37.26
Auto components	270600	280100	380000	462000	624000	970000	29.09
Total exports	481162	550034	751615	1109637	1504933	1996050	32.92
Exports as a % of production	6.20	6.44	7.59	8.93	9.99	11.77	—

Source: Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) and Automotive Component Manufacturers Association of India (ACMA)

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा: चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से मिनिस्टर साहब से यह इन्फॉरमेशन चाहूंगा ...(व्यवधान)...

श्री दत्ता मेघे: क्वेश्चन्स का कोई जवाब नहीं दिया मंत्री जी ने। ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: चेयरमैन साहब, हम देख रहे थे कि मंत्री जी किस तरह से बोल रहे थे, यह सदन की मर्यादा नहीं है। ...(व्यवधान)... और कांग्रेस के लोग इसको देख रहे हैं। ...(व्यवधान)...

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): I am anwering the question. Why is he interrupting me? Why are you interrupting my answer? Don't interrupt the answer. That is all I said. After I finish my answer you can speak. Every time he stands up. I hope you understand.

श्री सभापति: मजीठा जी, आप बोलिए।

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा: सर, दस साल से, जब से हमने ग्लोबलाइजेशन की पॉलिसी को ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: मंत्री जी इस तरह से बात करें और आप लोग देखते रहें! ...(**व्यवधान**)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: When I am answering, don't interrupt the answer. That is all I said.

श्री दिग्विजय सिंह: इस बात को आप नम्रता से भी कह सकते थे। ...(**व्यवधान**)... आप हमें अपनी अंग्रेजी दिखा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: I didn't say that.

MR. CHAIRMAN: Please take you seat. ...(*Interruptions*)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: यह हिन्दी का देश है ...(**व्यवधान**)...

†[شری شاہد صدیقی : یہ ہندی کا دیش ہے .....مداخلت.....]

श्री अमर सिंह: अगर इनका आचरण ऐसा रहा तो फिर सदन में हम लोगों को भी मजबूरन स्टैंड लेना होगा कि लोग इनको बोलने नहीं देंगे। ...(**व्यवधान**)... इनको यह नहीं करने देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अगले सैशन के लिए सोचेंगे।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, it is most unfair. I am answering a question. I am not trying to offend anyone. I am trying to be as clear as possible. All I said was, 'after I finish my reply to her question, if he did not interrupt me, I would answer his question also'...(*Interruptions*)... He is interrupting again and again. How am I supposed to answer? ...(*Interruptions*)... If you feel that I have offended you ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: ऑनरेबल मैम्बर, पहले आप सुनिए ...(**व्यवधान**)... सुनिए ...(**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: We all know how arrogant you all were when the NDA was in power...(*Interruptions*)... Now, they are all talking about arrogance!...(*Interruptions*)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, If the hon. Member feels that I should not have responded when he was interrupting me, I am sorry to the hon. Member and therefore let him be quite ...(*Interruptions*)...

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा: पिछले दस साल में, जब से हमने देश में ग्लोबलाइज़ेशन की नीति को बढ़ाया है, मैक्सिमम डेवलप करने वाले उद्योगों में ऑटो इंडस्ट्री आई है। इस इंडस्ट्री को

---

†[Transliteration in Urdu Script]

बढ़ाने से जहां वेहिकल्स का प्रोडक्शन बढ़ा है, उससे देश में, विशेषकर मेट्रोपोलिटिन सिटीज़ और बड़े शहरों में भीड़ बहुत बढ़ गई है और यातायात के पॉल्यूशन के कारण, देश के बहुसंख्यक आम आदमी की जीवनचर्या पर कठिनाई आई है, महानगर दिल्ली उसी का परिणाम है। मैं चाहता हूं कि विकास के साथ एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है, जिससे प्रोडक्शन पर असर न पड़े और इंडस्ट्री को लाभ भी मिले।

मेरा पहला सवाल है कि पिछले दिनों सरकार ने इस उद्योग को बढ़ाने के लिए जो नये विशेष इन्सैन्टिव्स दिए हैं, वे क्या हैं? महोदय, मेरा दूसरा सवाल यह है कि देश में वाहन खरीदने के लिए बहुत आराम से और सफिशिएंट मात्रा में लोन मिल जाता है, उसके कारण जिस धन को छोटे उद्योगों, छोटे दुकानदारों और जमींदारों को देकर देश का उत्पादन बढ़ाया जा सकता था, वह आज ज्यादातर अनप्रोडक्टिव हो कर रह गया है और साथ ही साथ उससे देश की जलवायु भी दूषित हो गई है।

हाल ही में एशियन डेवलपमैंट बैंक ने स्टडी करके इन तथ्यों को सामने रखा हे कि आगामी 25 साल में भारत में ग्रीन हाउस गैस, आज की तुलना में छः गुना ज्यादा हो जाएगी। इस गंभीर संकट को देखते हुए यह जरूरी है कि देश ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप क्वेश्चन करिए।

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा: सर, मैं क्वेश्चन ही कर रहा हूं। इसलिए यह जरूरी है कि देश में अनयूज़फुल वेहिकल्स की बिक्री पर रेस्ट्रिक्शन लगे, जिससे एनवायरमैंट को और अधिक पॉल्यूट होने से बचाया जा सके। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऑटो इंडस्ट्री के प्रोडक्शन को प्रभावित न करते हुए देश में बढ़ते हुए वेहिकल्स पर रेस्ट्रिक्शन लगाने के लिए एक सीमित घरेलू बिक्री तय करके इसे एक्सपोर्ट ओरिएंटिड बनाने की नीति पर विचार कर रही है?

SHRI SONTOSH MOHAN DEV: Sir, the hon. Member has asked a long question. The basic thing is this. It is a fact that too many automobile industries are spreading in the country and creating pollution. In Delhi you yourself have said that there is distraction of the work of High Court and the Supreme Court and to avoid that CNG has been introduced. Now, the Government of India has taken up a plan which is called NETRIT which will be implemented in various parts of the country. Training centres for vehicles, pollution control, driving tests are all covered under this. The Government of India is taking more steps for improving the infrastructure in the country. Sir, a special intensive drive has been launched for city-to-city and from one-metro-to-another-metro communication. At the same time, Sir, Mahasadak Scheme has also been introduced long before. It is now taking